भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2222

गुरूवार, 18 दिसंबर, 2025/27 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन के लिए प्रचारात्मक उपाय

2222 श्री मनन कुमार मिश्रः

श्री मदन राठौड़:

श्री मिथलेश कुमारः

श्रीमती रमिलाबेन बेचारभाई बाराः

श्रीमती माया नारोलियाः

श्री सुभाष बरालाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय मिशनों में पर्यटन अधिकारियों, अतुल्य भारत ब्रांड और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से विदेशी बाज़ारों में देश को बढ़ावा देने के लिए क्या पहलें की गई हैं;

(ख) देखो अपना देश, भारत पर्व और सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को मजबूत करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) 'वेड इन इंडिया' और 'मीट इन इंडिया' जैसे अभियानों का उपयोग भारत को वैश्विक विवाह (वैश्विक मंच पर एक प्रमुख विवाह स्थल) एवं एमआईसीई (बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों) पर्यटन बाज़ारों में स्थापित करने के लिए किस प्रकार किया जा रहा है; और

(घ) क्या मंत्रालय ने पर्यटकों के आगमन, पर्यटन खर्च और गंतव्य दृश्यता पर इन प्रचार उपायों के प्रभाव का आकलन किया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण और पर्यटक तैयार करने वाले संभावित बाजारों/क्षेत्रों में प्रचार संबंधी विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन करता है। पर्यटन मंत्रालय, भारतीय मिशनों के सहयोग से विभिन्न वैश्विक यात्रा व्यापार संबंधी प्रदर्शनियों और बाजारों में भागीदारी, विदेशी टूर ऑपरेटरों, मीडिया कर्मियों, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के लिए परिचयात्मक दौरों का आयोजन, विदेशों में भारतीय खाद्य महोत्सवों का आयोजन, स्थानीय टूर ऑपरेटरों और उद्योग हितधारकों के साथ व्यापार कार्यक्रमों का आयोजन तथा सोशल मीडिया संपर्क के माध्यम से पर्यटन स्थलों, उत्पादों और महोत्सवों का संवर्धन आदि जैसी कई पहलें करता है।

(ख): मंत्रालय 'देखो अपना देश', 'भारत पर्व' और 'सर्वोत्तम पर्यटन ग्राम' प्रतियोगिता आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बेहतर बनाने का प्रयास करता है।

'देखो अपना देश' नामक पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, राष्ट्रीय गौरव को प्रतिविंबित करना और व्यापक घरेलू यात्राओं को बढ़ावा देना है। इस पहल

के तहत पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न अल्प ज्ञात स्थलों के बारे में वेबिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ और अन्य ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है। पर्यटन से जुड़े हितधारकों के सहयोग से कई घरेलू प्रचारात्मक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

'भारत पर्व' गणतंत्र दिवस उत्सव के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित एक प्रमुख वार्षिक आयोजन है। यह आयोजन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, कलात्मक, पाक-कला और आध्यात्मिक विविधता को प्रदर्शित करता है और इसका उद्देश्य "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस की झांकियों का प्रदर्शन, खाद्य महोत्सव, हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों की भागीदारी, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन विभागों और केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा पवेलियन की स्थापना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आदि शामिल होती हैं।

'सर्वोत्तम पर्यटन ग्राम' प्रतियोगिता का उद्देश्य एक ऐसे गांव को सम्मानित करना है, जो अपने सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सामुदायिक मूल्यों और जीवनशैली को बढ़ावा देने तथा सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर एक आदर्श पर्यटन गंतव्य का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 2023 और 2024 में आयोजित इस प्रतियोगिता के पिछले दो संस्करणों में कुल 71 गांवों को 'सर्वोत्तम पर्यटन ग्राम' के रूप में मान्यता दी गई है।

(ग): भारत को एक अग्रणी वैश्विक एमआईसीई गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई उद्योग जगत हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। इस पहल के भाग के रूप में, वर्ष 2021 में "मीट इन इंडिया" नामक उप-ब्रांड लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य भारत को भव्य सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के आयोजन केंद्र के रूप में बढ़ावा देना, जागरूकता पैदा करना और देश की एमआईसीई क्षमता के प्रति सकारात्मक वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना है।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2023 में "इंडिया सेज़ आइ डू" नामक अभियान भी शुरू किया है, ताकि भारत को विवाह संबंधी एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जा सके। इस अभियान का उद्देश्य भारत में उपलब्ध विविध, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से जीवंत विवाह स्थलों को प्रदर्शित करना है, जिनमें महल और ऐतिहासिक दुर्ग से लेकर आकर्षक समुद्र तट, पर्वत और नदी के तट शामिल हैं।

वर्ष 2024 और 2025 में, पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय उद्योग एवं वाणिज्य महासंघ (फिक्की) के सहयोग से जयपुर में आयोजित ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाज़ार (जीआईटीबी) के आयोजन के दौरान क्रमशः "वेड इन इंडिया" एक्सपो और "मीट इन इंडिया" कॉन्क्लेव का आयोजन किया।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटकों के आगमन, पर्यटन संबंधी व्यय और गंतव्य संबंधी यात्राओं पर इन प्रचारात्मक उपायों के प्रभाव को जानने के लिए कोई आकलन नहीं किया है।

******